DATE 2.12.24
PAGE No 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (वाक्य-रचना, वाक्य-प्रकरण)

पुस्तक - दीवा हिंदी व्याकरण-8

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

आज हम कक्षा आठवीं की पुस्तक आमोद हिंदी व्याकरण के पृष्ठ-132 पर दिए वाक्य-रचना के बारे में पढ़ेंगे। सब बच्चे अपनी पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका खोलकर रख लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ।

इस कार्य के द्वारा आप वाक्यों के अंग और वाक्यों के प्रकार से अवगत होंगे। आगे पढ़ने से पहले हम कुछ उदाहरण देख लेते हैं - उदाहरण -

(i) है नितीश रहा टी० वी० देख में कमरे।
(ii) ऊपर है विभा के छत खड़ी।

उपर्युक्त वाक्यों में कई शब्द हैं, परन्तु यह समझने में कठिनाई हो रही है कि वक्ता क्या कहना चाह रहा है। जब शब्दों का क्रम बदलकर इस प्रकार लिखा जाएगा कि उनसे वक्ता का अभिप्राय स्पष्ट हो जाए, तभी सही अर्थों में ये वाक्य कहलाएँगे; जैसे -

(i) नितीश कमरे में टी० वी० देख रहा है।
(ii) विभा छत के ऊपर खड़ी है।

शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।

वाक्य के अंग

एक वाक्य में साधारण रूप से कर्ता और क्रिया का होना आवश्यक है। इस आधार पर वाक्य के दो मुख्य अंग होते हैं:
1. उद्देश्य 2. विधेय

Scanned with CamScanner

DATE 2.12.24
PAGE No 2

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (वाक्य-रचना, वाक्य-प्रकरण)

उद्देश्य

(i) लड़कियाँ बातें कर रही हैं। (ii) दादी माँ ने पूजा की।

इन वाक्यों में 'लड़कियाँ' तथा 'दादी माँ' के बारे में कुछ बताया जा रहा है।
जिसके विषय में कुछ कहा जाए, वह उद्देश्य कहलाता है।

विधेय

(i) छोटा बच्चा रो रहा है। (ii) लेखक कहानी लिख रहा है।

इन वाक्यों में उद्देश्य के विषय में कुछ कहा जा रहा है, बच्चा के विषय में - 'रो रहा है' तथा लेखक के विषय में - 'कहानी लिख रहा है।' यही विधेय है।

इस प्रकार -
उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय कहलाता है।

विशेष- * वाक्य सार्थक शब्दों का समूह है।
* उद्देश्य, विधेय वाक्य के दो अंग हैं।
* वाक्य में कर्ता, कर्म, विशेषण तथा क्रियाविशेषण आदि होते हैं।
* कई बार एक शब्द भी वाक्य का कार्य करता है; जैसे:- ठीक। अच्छा। सुनो। देखो। क्या? आदि।

वाक्य के भेद :- वाक्य के दो भेद होते हैं।
(1) रचना के आधार पर।
(2) अर्थ के आधार पर।

1. संरचना के आधार पर वाक्य के 3 भेद होते हैं
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्रित वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य।

Scanned with CamScanner

DATE 2.12.24
PAGE No 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (वाक्य-रचना, वाक्य - प्रकरण)

(क) सरल वाक्य :- जिस वाक्य में एक ही (कर्ता) उद्देश्य और एक मुख्य क्रिया (विधेय) हो, उसे सरल वाक्य कहते हैं। जैसे:-

उद्देश्य	विधेय
धोबी	कपड़े सुखाता है।
बारिश	हो रही है।
लड़की	खाना खा रही है।

(ख) मिश्रित वाक्य :- जिस वाक्य में एक प्रधान या मुख्य उपवाक्य होता है तथा एक या एक से अधिक उपवाक्य इसके अधीन या आश्रित होते हैं, उसे मिश्रितवाक्य कहते हैं। यहाँ प्रधान उपवाक्य में कर्ता और क्रिया होने तथा वाक्य पूरा होने पर भी उसका अर्थ प्रकट नहीं होता; जैसे -

प्रधान उपवाक्य		आश्रित उपवाक्य
पिता ने समझाया	कि	सदा सत्य बोलना चाहिए।
जो कल घर आया	था,	वह बाहर खड़ा है।

मिश्रित वाक्य के उपवाक्य 'कि, जो-वह', 'जैसा-वैसा', 'जब-तब', 'क्योंकि', 'यदि तो' आदि व्यधिकरण योजकों से जुड़े होते हैं। जैसे- जो मीठा बोलता है, वह सबका प्रिय होता है।

(ग) संयुक्त वाक्य :- जब एक से अधिक सरल वाक्य समुच्चय बोधकों द्वारा आपस में जुड़े होते हैं, तब वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं; इसके उपवाक्य 'और', 'तथा', 'फिर', 'या', 'अथवा', 'अन्यथा', 'इसलिए', 'किंतु' 'लेकिन' आदि योजकों से जुड़े होते हैं; जैसे-

आकाश में बादल छा रहे हैं पर वर्षा नहीं हो रही है।
राधा मुंबई गई और मैं दिल्ली।
खाना खा लो अन्यथा कमजोरी आ जाएगी।

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (वाक्य-रचना, वाक्य-प्रकरण)

4. आज्ञावाचक वाक्य :- इन वाक्यों में आज्ञा तथा उपदेश का बोध होता है ; जैसे-
(क) कमरे से बाहर बैठो। (ख) अपना कमरा साफ़ करो।
(ग) तुम अभी बाज़ार चले जाओ।

5. विस्मयादिवाचक वाक्य :- इन वाक्यों में विस्मय (आश्चर्य), शोक, हर्ष, घृणा आदि भाव प्रकट होते हैं।
जैसे- वाह ! कितना सुहावना मौसम है।
अरे ! यह क्या कर डाला। वाह ! क्या दृश्य है।

6. इच्छावाचक वाक्य :- इन वाक्यों में किसी इच्छा, आशीर्वाद, कामना आदि का बोध हो, उसे इच्छावाचक वाक्य कहते हैं ; जैसे-
(क) ईश्वर तुम्हें दीर्घायु प्रदान करे। (आशीर्वाद)
(ख) भारत प्रगति करता रहे। (कामना)
ग काश, बच्चा भी सो जाता। (इच्छा)

7. संदेहवाचक वाक्य :- इन वाक्यों में कार्य होने में संदेह का बोध हो, वह संदेहवाचक वाक्य कहलाता है।
जैसे- शायद मैं कल न आऊँ।
हो सकता है आज वर्षा हो।
वह श्रीनगर चला गया होगा।

8. संकेतवाचक वाक्य :- इन वाक्यों में कार्य का होना या न होना किसी दूसरे कार्य के होने या न पर निर्भर होता है ; जैसे- अगर वर्षा होती तो फ़सल अच्छी होती।
अगर परिश्रम किया होता तो सफलता अवश्य मिलती।
मन लगाकर पढ़ोगे, तभी अंक ला पाओगे।

बच्चो ! यह कार्य यहाँ समाप्त हुआ। अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी।
गृहकार्य : सब बच्चे इस कराए गए कार्य को उच्चस्वर में पढ़ेंगे व समझेंगे तत्पश्चात् अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।
धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner